# केन्द्रीय विद्यालय संगठन

कक्षा – XII

**विशय – हिन्दी**

समय– 3.00 घंटे पूर्णांक – 100

## खंड – क

प्र. 1. निम्नलिखत काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (5x1=5)

तुमने कभी देखा है
खाली कटोरों में बसंत का उतरना!
यह भाहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता
और खाली होता है यह भाहर
इसी तरह रोज–रोज एक अनंत भाव
ले जाते है कंधे
अँधेरी गली से
चमकती हुई गंगा की तरफ
इस भाहर में धूल
धीरे–धीरे उड़ती हैं
धीरे–धीरे चलते हैं लोग
धीरे–धीरे बजते हैं घंटे
भाम धीरे–धीरे होती हैं।

(क) 'खाली कटोरों' से कवि का क्या तात्पर्य हैं?
(ख) भाहर का खुलना और भरना क्या होता हैं?
(ग) अनंत भाव कहॉं और क्यों ले जाए जाते हैं?
(घ) इस भाहर में सब कार्य कैसे होते हैं?
(ङ.) यह भाहर कैसा हैं?

**अथवा**

क्या रोकेंगी मुझे विशमता, क्या झंझाओं के बर्तन।
मुझे पथिक कब रोक सके हैं, जीवन के उत्थान–पतन!
मैं गति ाील पथिक हूँ, मेरे रूके आज तक नहीं चरण
भाूलों के बदले फूलों का किया न मैंने कभी चयन
मैं विपदाओं में मुस्काता नव आ ाा के दीप लिए
फिर क्या कर पाएंगे, ये जग के खंडन–मंडन!
मुझे झुलता आया युग से लहरों का भीशण कंपन,
मेरी भवास छिपाए फिरती ज्वालामुखियों की धड़कन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर, चाहों का उन्माद लिए,
फिर मुझकों क्या डरा सकेंगे ये तूफानों के गर्जन!
मैं अटका कब, कब झटका मैं, सतत डगर मेरा संबल
बांध सकी पगले कब मुझको, यह युग ही प्राचीर निबल
आंधी हों, ओले वर्शा हों, राह सुपरिचित है मेरी
फिर मेरा पथ क्या रोकेगी, अंतर की कोमल धड़कन!

(क) उपयुक्त काव्यां ा के लिए उपयुक्त भाीर्शक दीजिए।
(ख) इस काव्यां ा के मुख्य रूप सें किस भाव की अभिव्यक्ति हुई हैं?
(ग) 'झंझाओं के नर्तन' तथा ' ूल और फूल' द्वारा कवि किन स्थितियों की ओर संकेत करता है?
(घ) कवि कैसा पथिक हैं?
(ङ.) कवि का लक्ष्य क्या है?

प्र. 2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

भारत का भूगोल भारत की विविधता और एकता दोनों में अपनी महत्तवपूर्ण भूमिका निभाता है। भूगोल के कारण ही पहाड़ों और नदियों ने देश को भीतर से बॉट दिया है जिससे देश में क्षेत्रीय जोश और प्रांतीय भावनाओं का विकास हुआ है। भूगोल ने देश को छोटे–छोटे प्रांतों में विभाजित करके प्रांतीयता को बढ़ावा दिया है। जिसके कारण कई क्षेत्रों ने राश्ट्रीय एकता से अलग होकर अपना स्वतंत्र अस्तित्व स्थापित करने का प्रयास भी समय–समय पर किया है। इसके विपरीत भूगोल ने देश की एकता में भी महत्तवपूर्ण भूमिका निभाई है। भूगोल ने ही भारत की समस्त भिन्नताओं को समेट कर भारत को एक पूर्ण देश बनाने का कार्य किया है। पहाड़ों और समुद्रों से घिरे भारत देश में जो एक मौलिक भाव है वह भूगोल की ही देन है। देश की इस मौलिक एकता के भाव ने प्रांतीयता के सामने कभी हार नहीं मानी हैं जिसके परिणामस्वरूप भारत देश आज भी पूर्णतः एकता के सूत्र में बंधा हुआ हैं। भूगोल ने ही भारत को उसकी सीमा के बाहर की दुनिया से अलग रखकर उसे भीतरी एकता के सूत्र में बॉधने की प्रेरणा दी हैं। इस प्रकार स्पष्ट हैं कि भारत का भूगोल यदि एक ओर भारत की विविधता का कारण है तो दूसरी ओर उसकी एकता का भी मुख्य कारण है।

(क) इस गद्यांश का उचित भाीर्शक लिखिए। 2
(ख) भारत की विविधता कैसे दिखाई देती है? 3
(ग) भूगोल ने देश की क्या दुर्दशा कर दी है? 3
(घ) भूगोल की देन क्या है? 2
(ङ.) भारत की विविधता में एकता कैसे है? 2
(च) भीतरी और 'एकता' का विलोम भाब्द बताओ? 1
(छ) विशेषण बनाइए– भूगोल, क्षेत्र 1
(ज) 'ता' प्रत्यय वाले भाब्द ढूंढ कर लिखिए। 1

## खंड – ख

प्र. 3. निम्नलिखित विशयों में से किसी एक पर लगभग 200 भाब्दों में निबंध लिखिए। 5
(क) शिक्षा का माध्यम मातृभाषा
(ख) मेरा जीवन–स्वप्न
(ग) साहस जहां सिद्धि वहां
(घ) लोकतंत्र में चुनाव

प्र. 4. भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से कर्मचारियों को हड़ताल आदि में भाग न लेने संबंधी सूचना जारी करें। 5

अथवा

राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए जम्मू–कश्मीर के मुख्य सचिव की ओर से राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र लिखें।

प्र. 5. (क) फैलती हुई एड्स की बीमारी पर आलेख लिखिए। 5
(ख) मोबाइल बिना लगे सब सूना विषय पर फीचर लिखिए। 5

प्र. 6. संक्षेप में उत्तर दीजिए– 5

(i) किन्ही दो हिन्दी समाचार चैनलों के नाम लिखिए?
(ii) छः ककार के कौन से हैं?
(iii) उल्टा पिरामिड़ शैली क्या होती है?
(iv) प्रिंट माध्यमों की दो विशेषताएं लिखिए?
(v) संपादकीय किसे कहते हैं?

## खंड – ग

प्र. 7. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक के दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2+2+2+2=8)

(क) जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक–

(i) कवि ने 'कपास' भाब्द का प्रयोग किसके लिए और क्यों किया है?
(ii) छतें नरम कैसे बन जाती हैं?
(iii) डाल की तरह लचीले किन्हें और क्यों कहा गया है?
(iv) 'पेंग भरते हुए चलने' से क्या आशय है?

या

(ख) दीवाली की भााम घर पुते और सजे
चीनी के खिलौने जगमगाते लावे
के रूपवती मुखड़े पै इक नर्म दमक
बच्चे के घरौंदे में जलाती है दिए।

(i) दीवाली पर लोग क्या करते हैं?
(ii) दीवाली के अवसर पर रूपवती कैसी लगती हैं?
(iii) दीवाली पर दीए कैसे जलाए जाते हैं?
(iv) दीवाली की संध्या का वर्णन कीजिए।

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (3+3=6)

(क) नभ में पाँती–बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी ऑखें।
कजरारे बादलों की छाई नम छाया,
तैरती सांझ की सतेज भवेत काया।
हौले–हौले जाती मुझे बांध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें,
नभ में पॉती–बंधी बगुलों की पांखें।

(i) इन पंक्तियों का भावपक्ष स्पष्ट कीजिए।
(ii) इस काव्यांश का शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) खेती न किसान को भिखारी को न भीख, बलि
बनिक को बनिग, न चाकर को चाकरी।
जीविका विहीन लोग सीहामान सोच बस,
कहैं एक एकन सो, 'कहॉ जाई, का करी?'
बेदहूँ पुरान करी, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पैं, राम! रावरें कृपा करी।
दारिद–दसानन दवाई हुई दीनबंधु!
छुरित दहन देखि तुलसी दहा करी!!

(i) काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
(ii) काव्यांश का शिल्प सौंदर्य स्पष्ट करें।

प्र. 9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3+3=6)

(i) खुद का परदा खोलने से क्या आशय है?
(ii) बादलों के आगमन से प्रकृति में क्या–क्या परिवर्तन होते हैं?
(iii) ' हम समर्थ भाक्तिवान' पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

प्र. 10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

''रात्रि की विभीशिका को सिर्फ पहलवान ही ढोलक की ललकार मय चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक चाटे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अद्‌र्धमृत, औशदि उपचार–पथ्य–विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े–बच्चे जवानों की भाक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन शक्ति शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी।''

(i) रात्रि की भयानकता को कौन चुनौती देता था और क्यों?
(ii) पहलवान की ढोलक किन लोगों को धैर्य प्रदान करती थी?
(iii) पहलवान की ढोलक को लेखक ने संजीवनी भक्ति देने वाली माना हैं क्यों?
(iv) पहलवान की ढोलक का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता था?

***अथवा***

बसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुश्प–पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीश के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की याद आती हैं, जो किसी प्रकार जमाने का रूख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं।

(i) लेखक को शिरीश के पुराने फल देखकर किनकी याद आती हैं? 2
(ii) लेखक ने शिरीश के पुराने फलों से नेताओं की तुलना क्यों की हैं? 2
(iii) ' नई पौध से' लेखक का क्या अभिप्राय हैं? 2
(iv) इस गद्यांश में प्राकृतिक सौंदर्य को स्पश्ट कीजिए। 2

प्र. 11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (3+3+3+3=12)

(i) कोमल और कठोर दोनों भाव किस प्रकार गांधी जी के व्यक्तित्व की विशेषता बन गए हैं?
(ii) लाहौर अब तक उनका वतन है और देहली मेरा या मेरा वतन ढाका है जैसे उद्‌गार किस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं?
(iii) जीवन की जद्‌दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया?
(iv) पहलवान की ढोलक कहानी के किस–किस मोड़ पर लुट्‌टन के जीवन में क्या–क्या परिवर्तन आए?
(v) इंद्र सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती हैं? नदियों का भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व है?

प्र. 12. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3+3=6)

(i) वर्तमान समय में परिवार की संरचना, स्वरूप से जुड़े आपके अनुभव इस कहानी से कहाँ तक सामंजस्य बिठा पाते हैं?
(ii) 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पश्ट करें कि क्या शीर्षक कथा नायक के किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है?
(iii) पुरातत्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि सिंधु सभ्यता ताकत से भाासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।

प्र. 13. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2+2=4)

(i) श्री सौंदल गेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित करें जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक के मन में रूचि जगाई।

(ii) सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था, कैसे?

(iii) ऐन ने अपनी 'डायरी' किट्टी को संबोधित मिट्टी की भाक्ल में लिखने की जरूरत क्यों महसूस की होगी?

प्र. 14. दत्ता जी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी मॉ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेना पड़ता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता? अनुमान लगाएं। (5)

अथवा

अपने घर और विद्यालय के आस–पास हो रहे उन बदलावों के बारे में लिखें जो सुविधाजनक और आधुनिक होते हुए भी बुजुर्गों को अच्छे नहीं लगते। अच्छा न लगने के क्या कारण होंगे।